

पिलखुवा को मिलेगी फायर स्टेशन की सौगात

सीएम करेंगे 13 करोड़ 23 लाख रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक दमकल केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता पिलखुवा। औद्योगिक रूप से तेजी से विकसित हो रही टेक्सटाइल इंडस्ट्री पिलखुवा को जल्द ही आधुनिक फायर स्टेशन की सौगात मिलने जा रही है। करीब 13 करोड़ 23 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह अत्याधुनिक दमकल केंद्र क्षेत्र में आम जनता की आशाओं को निभाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। इस परियोजना को वर्चुअल उद्घाटन प्रदर्शन के मुहूर्तमंत्रों द्वारा किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, लगभग 5000 वर्गमीटर भूमि पर प्रस्तावित इस फायर स्टेशन में आधुनिक तकनीक और संसाधनों से लैस व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। लंबे समय से औद्योगिक क्षेत्र में



दमकल केंद्र की कमी महसूस की जा रही थी, जिसके चलते आम जनता की घटनाओं पर समय रहते कबाड़ पाना चुनौतीपूर्ण साबित होता था।

पिलखुवा की टेक्सटाइल इंडस्ट्री में बढ़ी संख्या में फैक्ट्रियों

संचालित हैं, जहां हजारों श्रमिक कार्यरत हैं। ऐसे में आम जनता की घटनाओं पर समय रहते कबाड़ पाना चुनौतीपूर्ण साबित होता था। पिलखुवा की टेक्सटाइल इंडस्ट्री में बढ़ी संख्या में फैक्ट्रियों

इकाइयों के साथ आम जनता की कमी बढ़ती मिलेगी। प्रस्तावित फायर स्टेशन में अत्याधुनिक फायर फाइटिंग उपकरण, हाईमोड दमकल वाहन, पर्याप्त जल भंडारण की सुविधा और प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती की जाएगी। साथ ही आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को और अधिक सुरक्षा बनाया जाएगा, ताकि सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। अतिरिक्त, प्रशिक्षित सिविल ब्रिगेडियरों ने बताया कि यह फायर स्टेशन को सुरक्षा के लिहाज से बेहतर महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके शुरू होने से आम जनता की घटनाओं पर तेजी से निपटारा पाया जा सकेगा और औद्योगिक

बाणूगढ़ में बवाल: लाठी-डंडों से हमला, गोलियां चलने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद के बाणूगढ़ थाना क्षेत्र के गांव गौहरा में दो पक्षों के बीच हुई नारंगस्ट का मामला सामने आया है। घटना ने इलाके में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बना दिया। आरोप है कि गांधी में सवार दलों में लाठी-डंडों से हमला कर दिया और कई राइफ फायरिंग भी की, जिससे प्रामाणियों में दहशत फैल गई।



लॉर्ड कार्रवाई करते हुए 2 नामजद सवित एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी सुनील शर्मा सिंह ने बताया कि घटना से जुड़े वीडियो फुटेज पुलिस के संज्ञान में आए हैं। इन वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। उन्होंने

कहा कि दीर्घियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करवाई की जाएगी और कानूनी व्यवस्था बहाल करने में आयोगियों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

भानु प्रताप संग विवाद पर मदन चौहान का बड़ा बयान, बताया खेद

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। पल्लवाड़ा रोड स्थित एक हादसे के उद्घाटन समारोह में 13 अप्रैल 2026 को किसान नृयिजन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप और पूर्व मंत्री मदन चौहान के बीच हुए विवाद ने अब नए पकड़ लिया है। मामले को लेकर पूर्व मंत्री मदन चौहान ने विस्तृत बयान जारी करते हुए पूरी घटना पर अपनी स्थिति स्पष्ट की है और अग्रदूत भाग्य के प्रयोग पर खेद भी जताया है। मदन चौहान ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान भानु प्रताप के आग्रह पर उनका निर्दिष्ट स्थान 'ब' अक्षरवाचक किया गया था और जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के संगठनों द्वारा एक बड़े धैर्य और पूर्ण में भी आपसी संबंध

सम्मानजनक रहे हैं। हालांकि, उनके अनुपचार परकारा वार्ता के दौरान भानु प्रताप द्वारा देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया, जिससे उन्होंने असह्यती बनाया। पूर्व मंत्री का कहना है कि उन्होंने स्थिति को शांत करने के लिए आम प्रजा की समझौता का प्रयास किया, लेकिन बात बड़े गड़ और माहौल बनाएगी पर चका-पुकी की स्थिति भी आने ली। उन्होंने स्वीकार किया कि अज्ञान में आकर उनसे भी कुछ गलत बोलकर गए, फिर पर उन्हें खेद है और ऐसा नहीं होना चाहिए था। मदन चौहान ने यह भी आरोप लगाया कि घटना से जुड़े वीडियो को तब-माइक्रो प्रसारित किया जा रहा है, जबकि सचवाई



इससे अलग है। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक जीवन का उद्देश्य हमेशा किसानों, गरीबों और आम जनता की सेवा करना रहा है और यह लगातार चलते विरोधों के लिए प्रेरणा देते आए हैं। वहीं, 17 अप्रैल को उनके आवास के परेस की कॉफी योजना को लेकर उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि इस प्रकार

की घमकीयों का जबाब प्रसारित होने का जनात नहीं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह न तो इनसे बातें करेंगे और न ही जुलूम बना देंगे। पूर्व मंत्री ने बताया कि वे अंतर्गत की इस पर विचार में रह रहकर सभी लोग समय और वैसे का परिचय दे तथा देशहित में शांति बनाए रखें।

जेपी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने लहराया परचम, माही सैनी बनी टॉपर

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जे.पी. पब्लिक स्कूल के छात्रों ने कक्षा (10वीं) की नवीं परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए नाम किए। फिर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इन वर्षों प्रतिभा छात्रा परिषद में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक हासिल कर अपनी मान्यता और लगन का परिचय दिया। परिषद समेत आते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल बन गया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा जारी क्षेत्र के श्रेष्ठ छात्रों में माही सैनी ने 99.2 प्रतिशत अंक हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन हासिल किया। वहीं दिव्या बकाली ने 95.2 प्रतिशत अंक के साथ सूर्या समान प्राप्त किया। गौरिका और अर्पिता चौधरी ने 93 प्रतिशत अंक हासिल कर संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त

J.P. PUBLIC SCHOOL, NAWADA HAPUR CLASS 10 TOPPERS			
BHANU NAGOR 95.2%	GAURIKA 95%	ARUSHI CHAURASIARY 93%	MAHAI SAINI 99.2%
ARUSHI 93%	NAKSHATRA SAINI 91%	VANSHI SHARMA 90%	KANSHIK 90%
RISHIKA 90%	SANYA SHUKLA 89%	BHUMI SHARMA 88%	RISHIKA 88%

उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वेदेंत पांडे ने 89 प्रतिशत अंक हासिल कर 86 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने सभी सफल छात्रों, उच्च अंतिमकार्यों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। प्रशासन प्रबंधन में कड़ी परिश्रमों से भी शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे, ताकि छात्र हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें।

पूर्वी बनी 'वन डे कोटवाल', महिलाओं की सुरक्षा पर दिया बड़ा संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

पिलखुवा। पिलखुवा जिला में गुरुवार को एक अज्ञात और अत्याधुनिक दण्ड देखने को मिला, यह छात्रा पूर्वी शर्मन ने एक दिन के लिए थाने की कार्यवाही में शामिल कर शान्तिबोधन का संदेश संद, 'रा दिया। 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' के तहत आयोजित इस पहल ने यह साबित कर दिया कि बेटियाँ अक्सर मिलने पर हर जिम्मेदारी को बहादुरी निभाने में सक्षम हैं। देशीन पब्लिक स्कूल की छात्रा पूर्वी शर्मन, पूर्वी शुरुपन शर्मा, निवासि भालापुरी को एक दिन के लिए थाना प्रभारी बनाया गया। जिम्मेदारी सौंपने के पश्चात ने पूर्वी शर्मन का निर्दिष्ट किया और वहां आने वाले परियार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना।



उन्होंने पुलिस कार्यप्रणाली को समझते हुए संवेदनशीलता के साथ लोगों से संवाद किया। इस अवसर पर पूर्वी ने कहा कि यह उनके जीवन का गर्व का पल है। उन्होंने महिलाओं को संदेश देते हुए कहा कि सहायता मांगने से डरना नहीं चाहिए, बल्कि नेतृत्व करते हुए समाज को नई दिशा भी दे सकती हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने इस तरह की पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

जेएमएस वर्ल्ड स्कूल ने रचा सफलता का नया इतिहास

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से उभरते हुए जे.एम.एस. वर्ल्ड स्कूल ने एक बार फिर सिलेब्ररी परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी गुणवत्ता और प्रतिबद्धता का लोहा मनवाया है। महज 53 विद्यार्थियों के छोटे से बैच में शानदार अंक प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि सफलता संख्या से नहीं, बल्कि संकल्प, मेहनत और सही मार्गदर्शन से तय होती है। विद्यालय के लिए यह विशिष्ट उपलब्धि इतिहास की नई उपलब्धि का तिन बनी की कड़ी मेहनत और सतत प्रयास का परिणाम मानते हुए कहा कि संतुष्टि केवल पराजय तक सीमित न रहकर कोशल आधुनिक शिक्षा और अधिगम बना देता है, जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास तेज हो पाता है। जे.एम.एस.



परिवार का प्रयास में भी इसी तरह उत्कृष्ट अंकों की जीत काफ़ी बड़ी की है। सामर्थ्यपूर्ण पुण्ड्र सिंह ने इस उपलब्धि के लिए शिक्षा और अधिगम के संयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रधान कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। उनके साथ कानन बालन ने 92.8 प्रतिशत और गंधा स्वामी ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा कानकल कसना ने 87.4 प्रतिशत, रश्मिबती को ने 85.6 प्रतिशत और प्रमोदस्य सुमान दत्तरी से 85.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि का तिन बनी की कड़ी मेहनत और सतत प्रयास का परिणाम मानते हुए कहा कि संतुष्टि केवल पराजय तक सीमित न रहकर कोशल आधुनिक शिक्षा और अधिगम बना देता है, जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास तेज हो पाता है। जे.एम.एस.

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने दबाया, गढ़मुक्तेश्वर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस को बड़ी सफलता हासिल लगी है। महिला से दुष्कर्म के मामले में बाइल चल रहे नामजद अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को पल्लवाड़ा रोड स्थित एक फार्म हाउस के पास से दबाया गया। पुलिस के अनुसार बाणूगढ़ में अभियुक्त की तलाश की जा रही थी। गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दे रही थी। इसी क्रम में

पुलिस को सूचना मिली कि बाइल अभियुक्त पल्लवाड़ा रोड क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर तलाश कार्रवाई करते हुए आठ घंटे की तलाश के बाद आरोप को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त को पहचान करते उन्हें विश्वेश्वर पुत्र महेंद्र, निवासि ग्राम आलमगौरपुर बलवापुर, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार ने महिलाओं और बच्चे को रौंदा, तीन की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद के हाकिमपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रखा दिया। बुधनाथपुर गांव की रहने वाली चार महिलाएं और एक मासूम बच्चा गुलुवाटी गांव के लिए बस का इंतजार कर रहे थे, तभी तोड़ रफ्तार सड़क इंडिया को अनियंत्रित होकर उन्हें कुचल दिया। हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि एक महिला और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क किनारे खड़े होकर बस का इंतजार कर रही महिलाओं को अचानक तेज गति से आगे बढ़ते और टकरा कर सड़क पर उठी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही अफगान-तफरी



मच गई और आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े पड़े। हादसे में शिकार, गंभीर घायल और सड़क किनारे तैर रहे बच्चे को भी टक्कर मच गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही अफगान-तफरी

हादस भी जानक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही हाकिमपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल भेज दिया। पुलिस में ले ली है तथा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने पॉइंट परिवार को संतुष्टा करते हुए आश्वासन दिया कि मामले में निष्पक्ष जांच लगेगी। वहां उपचार के लिए गुलुवाटी अस्पताल लाने जाया गया। वहां उपचार के दौरान एक अन्य महिला कृष्णा की हालत तेज गति से आगे बढ़ते और टक्कर मच गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही अफगान-तफरी

माहौल खराब करने के प्रयास में चार पर रिपोर्ट दर्ज

रोखिन गर्मा

शाह टाइम्स संवाददाता गढ़मुक्तेश्वर। सोशाल मीडिया के माध्यम से माहौल खराब करने का प्रयास करने वाले चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर एक पक्ष के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उनका शांति पत्र में चालान किया, जिसके बाद उनको जिला कारागार भेजने की सूचना पर समाज को लगे में हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना पर पुलिस ने एक सौंदर्य को घुंटाता के लिए हिरासत में लिया है। स्थाना चौपाला चौकी प्रभारी मनीष शर्मा ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए उल्लेख किया है कि 13 अप्रैल को शांति व्यवस्था के लिए गत कर रहे

थी। इसी दौरान सोशाल मीडिया पर तीन अज्ञान अज्ञान आडियों को सशक्त किया गया। आडियों की गई आडियों के माध्यम से माहौल खराब किए जाने का प्रयास किया जा रहा था। उन्होंने सड़क को आडियों को सुनकर मामले की जांच के त्तो मासूम हुआ कि पहली आडियों को गांव गामडी निवासि मनीष और दीप कुमार द्वारा बयान की गई है। जबकि दूसरी आडियों में गाली तकरी मच गई। पुलिस ने प्रकृतगत के लिए एक सौंदर्य को हिरासत में लिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र बिष्ट ने बताया कि संबंधित आडियों से समाज में माहौल खराब हो सकता है। पुलिस की तीव्र प्रयासों के बाद कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र बिष्ट ने बताया कि संबंधित आडियों से समाज में माहौल खराब हो सकता है। पुलिस की तीव्र प्रयासों के बाद कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र बिष्ट ने बताया कि संबंधित आडियों से समाज में माहौल खराब हो सकता है।

महिला सशक्तिकरण पर छात्रों की सोच, पोस्टरों में दिखा बदलाव का संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

पिलखुवा। नवोदय विद्यालय विद्यालय के तहत गुरुवार को प्रथम महिला सशक्तिकरण पर छात्रों की सोच, पोस्टरों में दिखा बदलाव का संदेश

शुश्रूषा का जवाब आया। पूरे आयोजन के दौरान छात्रों में उत्साह उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यार्थियों के शिक्षकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शनों को सम्मानना की। कार्यक्रम निदेशक विद्यालय डॉ. रिनु दिव्यकरा के कुशल निरीक्षण से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों ने केवल विद्यार्थियों को प्रेरणा नहीं निखाती है, बल्कि समाज में

सकारात्मक बदलाव लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में डॉ. आशीष शर्मा, सिद्ध, डॉ. मनीषा शर्मा, डॉ. विनिता, डॉ. विद्या, डॉ. रवी, ममता शर्मा चौधरी, नेहा, स्वप्ति स्वामी और प्रोफेसर सहित बड़ी संख्या में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया और इस तरह के आयोजनों को भविष्य में भी जारी रखने पर बल दिया गया।

सकारात्मक बदलाव लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में डॉ. आशीष शर्मा, सिद्ध, डॉ. मनीषा शर्मा, डॉ. विनिता, डॉ. विद्या, डॉ. रवी, ममता शर्मा चौधरी, नेहा, स्वप्ति स्वामी और प्रोफेसर सहित बड़ी संख्या में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया और इस तरह के आयोजनों को भविष्य में भी जारी रखने पर बल दिया गया।

महिला से दुष्कर्म करने वाला वाछिल आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र बिष्ट ने बताया कि क्षेत्र के एक वरिष्ठ निवासि युवक पर एक महिला ने गांव निवासि युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगा रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट दर्ज किए जाने के बाद पुलिस आरोपी को तलाश कर रही थी। उन्होंने बताया कि बुधनाथपुर को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वेदेंत पांडे ने 89 प्रतिशत अंक हासिल कर 86 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने सभी सफल छात्रों, उच्च अंतिमकार्यों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। प्रशासन प्रबंधन में कड़ी परिश्रमों से भी शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे, ताकि छात्र हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें।

एक नजर

मधुर मेमोरियल का शानदार प्रदर्शन



मधुर मेमोरियल पब्लिक सोनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने सोनीएसई को कक्षा 10वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया।

केएस का परीक्षाफल शत-प्रतिशत



कोतवासी देहाना। कोएस विद्यार्थी अंशकामी के लिए इस वर्ष कक्षा 10वीं सोनीएसई बोर्ड परीक्षा का प्रथम गौरवपूर्ण रहा।

कन्या इंटर कालेज में मानव श्रृंखला बनाई



धामपुर। कन्या इंटर कालेज में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के अंतर्गत मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया।

विकास कार्यों की सराहना



स्वोहारा। लोकसभा सांसद इमरान मसूद ने पालिका अध्यक्ष शंख कौशिक वारसी से विचार-विमर्श करके हुए स्वोहारा नगर में कला जा पह विकास कार्यों की सराहना की।

बाबा साहब ने दलितों, शोषितों व वंचितों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ा: वीरेंद्र

नजीबाबाद। समाजवादी पार्टी अधिकतर सभा के प्रदेश सचिव वीरेंद्र यादव पट्टे ने नगर के मौलविया आजागरिय विचार यादव परेशानाला में अनेकदिवस जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन कर बाबा साहब के दिन पर पूजा-माता पूजा कर उन्हें स्मरण किया।

पंचायत सहायकों का प्रदर्शन

जनगणना ड्यूटी को लेकर नाराजगी, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन



पंचायत सहायकों का कहना है कि उन्हें पूर्व में अराजकमान दिया गया था कि जनगणना ड्यूटी उनको संबोधित ग्राम पंचायत में ही लगाई जाएगी, जिसके कार्य सुगमता और पारदर्शिता के साथ संपन्न हो सके।

उनको ड्यूटी पुनः उनको ग्राम पंचायतों में ही लगाई जाए। ताकि जनगणना का कार्य सही तरीके से और बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके।

न्यायिक अधिकारियों की कार्यशैली और अधिवक्ताओं का व्यवहार नगीना बार की पहचान: अनुपम सिंह

अधिवक्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ के वकीलों का न्यायालय के प्रति सम्मान, महतन और कायों में पारदर्शिता सराहनीय है। एसोसियेटेड अक्षयदेव यादव और सिविल जज अमरग अली ने भी अपने संबोधन में बार और बेंच के बीच रहे मधुर संबंधों का ब्यक्त किया और अधिवक्ताओं के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

नईम सहित कई वक्ताओं ने अधिकारियों के कार्यकाल की सरहना की। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों ने अपने कार्यकाल के दौरान न्याय प्रक्रिया को सुगम बनाने और वादकारियों को त्वरित न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महिला चिकित्सक के साथ अभद्रता

स्वास्थ्य विभाग की टीम पर गंभीर आरोप, सीएमओ से कार्यवाही की मांग



एक व्यक्ति, जिसमें अपना नाम रोबिन बतवाया वह उन पर चढ़क गया और उनके साथ अभद्र व्यवहार कर आशयवादी का प्रयोग किया। इससे वह घबरा गई। पीड़िता ने बताया कि पुरुषाटक करने पर उक्त व्यक्तियों ने कुछ चिकित्सकों का नाम लेते हुए पैसे के विचार की बात कही।

रात में स्वास्थ्य विभाग की जांच की चर्चा जोरों पर

शेरोकोटा। रात के अंधेरे में ही अस्पताल की जांच कर्मियों, यह अपने आप में बड़े सवाल पैदा कर रहे हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि उनका अस्पताल संचालक स्वास्थ्य विभाग को रकम ना देना जारी पड़ रहा हो।

डीजल भट्टरी पर बना रहे मिठाई

अपजलसह। बहुती गैस कीरोतों व कमगैरिफिक सिस्टेड की किल्ला से मिठाई कारोबार प्रभावित हो रहा है। कारोबार की जारी रखने के लिए दुकानदार अब डीजल भट्टरी का सहारा ले रहे हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पक्ष में निकाली रैली

बिजनौर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में इंदिरा बाल भवन से एक प्रयाण आरंभित की गई। इस प्रयाण में महिला सशक्तिकरण को दिशा में एक प्रभावी नतीजा देना।

पुलिस की गाड़ी के सामने आया गुलदर



गुलदर आ गया। पुलिस ने गाड़ी रोक कर हट्ट बजाया, तो गुलदर समीप में ही आग के बाम में घुस गया। पुलिस ने रात में ही क्षेत्र में गुलदर होने और ग्रामीणों को सचेत रहने को सलाह दी।

गुलदर आ गया। पुलिस ने गाड़ी रोक कर हट्ट बजाया, तो गुलदर समीप में ही आग के बाम में घुस गया। पुलिस ने रात में ही क्षेत्र में गुलदर होने और ग्रामीणों को सचेत रहने को सलाह दी।

एक नजर

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम



धामपुर। आरएसएस पीजी कालेज में नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या डॉ. शिरा रालल शर्मा ने कहा कि 'वसुंधरा-तेज भारत-रमणी नुहे हीन नुहे दौन' अमर की रति कोटि युग के भे जल्लु नोहिव लीन।



स्वोहारा। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विवेक सिंह पाल के दिना-निर्देश पर प्रतिबंधित धूम्रपान के विरुद्ध विचार अधिनियम चलाया गया। अधिनियम के दौरान नगर पालिका टीम ने विभिन्न इलाकों पर छांटमारि करे शुरू कराए।

मदरसे के छात्रों को सिखए स्वच्छता के गुर



नगीना। स्वच्छ भारत मिशन, आईटीसी मिशन सुनहरा कल और मैट्रिक्स जैत बेटे लल्लुन के संयुक्त तत्वबोधन में आरंभ मोहल्ला कलालान दिव्य मरसा फेजजु कुशन में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण



कितरपुर। दिना समिति की बैठक में सांसद चंदेश्वर आचार्य द्वारा उठाई गई किसानों के खेतों में नगर पालिका का पानी छोड़े जाने की गंभीर समस्या पर प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए स्वित्त कार्रवाई शुरू कर दी है।

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नगीना। भाकियू (महात्मा टिकैट) के पर्याप्तकारियों और कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र को समस्याओं को लेकर एसडीएम को मांग पत्र सौंपा।

कम वर्षा की भविष्यवाणी

मौसम विभाग के मुताबिक अचानक गर्मी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण पश्चिमी विक्षोभ का कमजोर पड़ना है। ऐसा मौसम 20 अप्रैल तक रहेगा, जिसके कारण पश्चिमी, मध्य और दक्षिण भारत में भीषण गर्मी पड़ेगी। दो सालों की घनघोर बारिश के बाद, भारत को आने वाले मानसून के दौरान बरसात में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अप्रैल में जारी अपने पूर्वानुमान में जून से सितम्बर के बीच आठ फीसदी की कमी, यानी सामान्य से कम वर्षा होने की भविष्यवाणी की है। इस अनुमान में पांच फीसदी की न्यूनता की संभावना है। लेकिन आईएमडी के पिछले रिकार्ड के मद्देनजर, ऐसे कई मौके आए हैं जब आईएमडी ने 'सामान्य' मानसून की भविष्यवाणी की है और भारत में सूखा पड़ा है। जबकि, सूखे की भविष्यवाणी करने और इसके गलत साबित होने के मामले इससे कहीं ज्यादा हैं। दरअसल, जब आईएमडी अप्रैल में बारिश की कमी की चेतावनी देता है, तो इतिहास गवाह है कि भारत में अक्सर सूखा पड़ता है। यह एजेंसी अपनी आधिकारिक शब्दावली में कभी भी सूखा शब्द का प्रयोग नहीं करती है और सिर्फ 90 फीसदी से नीचे की कमी को ही न्यून वाली स्थिति के रूप में संदर्भित करती है। अप्रैल 2015 में, आईएमडी ने 2015 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के लिए हसामान्य से कम मानसून का पूर्वानुमान जारी किया था। इसमें मौसमी वर्षा के दीर्घकालिक औसत के 93 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था, जो फिर से सामान्य से कम था, लेकिन भारत में हालात कहीं ज्यादा ही खराब रहे और उसका दीर्घकालिक औसत (एलपीएड 86 फीसदी रहा। आईएमडी को इस बार मानसून के दूसरे महत्वपूर्ण आधे हिस्से (अगस्त और सितम्बर) में कमजोर मानसून की आशंका है। इसका कारण मौसम मॉडल द्वारा दर्शाए गए अल नीनो का संकेत है। अल नीनो एक ऐसी चक्रीय घटना है, जिसमें मध्य भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर का तापमान एक डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ जाता है और 1950 के बाद में से 9 बार यह कमजोर मानसून से संबंधित रहा है। अल नीनो का समय महत्वपूर्ण होता है। अगर तापमान में बढ़ोतरी मानसून के महीनों के अलावा अन्य महीनों में होती है, तो मानसून पर इसका असर उतना खतरनाक नहीं होता है। मिसाल के तौर पर, 2019 में, आईएमडी ने अप्रैल में सामान्य से कम वर्षा की उम्मीद जताई थी क्योंकि अल नीनो जैसी स्थितियां बनती नजर आ रही थीं। विडंबना यह रही कि भारत में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई क्योंकि अपेक्षा के मुताबिक गर्मी तेज नहीं हुई। इस साल भी, आईएमडी को उम्मीद है कि हिंद महासागर डायपोल अल नीनो के शुष्क प्रभाव का प्रतिकार करेगा। इस साल जब पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक बने हुए हैं, ऐसे में कमजोर बारिश के साथ-साथ गैस और उर्वरक की कमी से किसानों की हालत और भी खराब हो सकती है। लिहाजा सरकार को उर्वरकों का भंडार बढ़ाने, खासतौर पर पानी की कमी की आशंका वाले जलाशयों समेत पानी का समान वितरण सुनिश्चित करने और किसानों को बुवाई की सर्वोत्तम पद्धतियों के बारे में समय रहते सलाह देने की तैयारी फौरन शुरू कर देनी चाहिए।

परिसीमन को बुलडोज करने का काम

सरकार महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन कर संघीय ढांचे को कमजोर कर रही है, महिला आरक्षण को परिसीमन के साथ नहीं जोड़ना चाहिए, हम महिला आरक्षण का पूरा समर्थन करेंगे, भाजपा हर बात में राजनीति करती है, यह महिला आरक्षण लाने का यह विधेयक नहीं है, बल्कि पीछे के दरवाजे से परिसीमन करने का है, महिला आरक्षण को सुरक्षा कवच बनाकर राजनीतिक मंशा पूरा कर रही है, भाजपा महिला आरक्षण के पक्ष में नहीं है, इसलिए इसे विलंब से लेकर आई है, सरकार ने दबाव में जनगणना के साथ जाति जनगणना करने की बात मानी है, इन सबके बावजूद सरकार जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। वह महिला आरक्षण के मंथन से विधेयक को जटिल बनाया जा रहा है, महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन को बुलडोज करने का काम कर रही है सरकार।

—गौरव गोर्गोई, सांसद, कांग्रेस



हम में से अधिकतर लोग जब भी मोटर इश्योरेंस का चुनाव करते हैं, तो सबसे पहले हमारी नजर उसके प्रीमियम पर होती है। सस्ती पॉलिसी हमें इसलिए आकर्षक लगती है, क्योंकि यह झटपट पैसों की बचत करती है, लेकिन सच्चाई यह है कि आज जो सौदा आपको सस्ता नजर आ रहा है, वहीं कल आपके लिए महंगा साबित हो सकता है। किसी भी इश्योरेंस की असली कीमत इस बात से तय नहीं होती है कि शुरूआत में आपको कितने कम पैसे भरने पड़ रहे हैं, बल्कि इस बात से तय होती है कि अगर अचानक से आपको कुछ हो जाए तो यह किस तरह की सुरक्षा देता है। आइए जानते हैं कि आज की एक सस्ती पॉलिसी कल आपके लिए कैसे एक महंगा सौदा साबित हो सकती है। अगर आप यह सोचते हैं कि सस्ता मोटर इश्योरेंस लेकर आपने पैसों की बचत की है, तो असल में यह आपका ध्रम है। पहले-पहल सस्ता प्रीमियम देखने में तो आकर्षक लगता है, लेकिन इनके भीतर कई तरह के जोखिम छिपे होते हैं। तुल्यमान लगने वाले यह इश्योरेंस आमतौर पर सीमित कवरेज के साथ आते हैं जिससे कि जब आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है तब यह आपको सबसे कम सुरक्षा देते हैं। कई पॉलिसियों में दुर्घटना के मामले में छूट, रोडसाइड असिस्टेंस या यात्रियों के सामान की सुरक्षा जैसे अहम कवरेज तक शामिल नहीं होते हैं। ऐसे में जो बचत आज आपको सुझबूझ बरी लग रही है, वही बचत दुर्घटना के समय आपके लिए एक बेहद महंगा सौदा साबित हो सकती है। दुर्घटना के तुरंत बाद आपको एक सस्ते मोटर इश्योरेंस की असली कीमत समझ आने लगती है। कई पॉलिसियों में तो मरम्मत भी पूरी तरह से कवर नहीं किए जाते हैं क्योंकि इनमें कुछ चुनिन्दा गैरज ही शामिल होते हैं या फिर खर्चों की भी सीमा तय होती है, जिससे कि मरम्मत के दौरान आपको अच्छी गुणवत्ता वाली सुविधा तक नहीं मिलती है या फिर आपको अतिरिक्त बिल भरने पड़ते हैं। यहां तक कि क्लेम के बाद प्रीमियम में भी तेजी से बहुत देखने को मिल सकता है, चाहे दुर्घटना में आपको गलती हो या न हो। यानी जो छोटो सी बचत आप आज कर रहे हैं, उसकी वजह से भविष्य में आपको और ज्यादा पैसे भरने पड़ सकते हैं। इतना ही नहीं, सीमित कवरेज में अक्सर आपको टॉइंग, मंडिक बिल या ऐसे खर्च जिनके बारे में आपको लगता था कि उसका भुगतान इश्योरेंस कंपनी करेगी, उनके लिए भी आपको अपनी जेब से पैसे भरने पड़ते हैं। जो चीज शुरूआत में आपको किफायती लग रही थी, वहीं दुर्घटना के बाद आपके लिए

मोटर इश्योरेंस में रखें इन बातों का ध्यान



एक आर्थिक बोझ बन जाती है। दुर्घटना का असर केवल आपको कार पर नहीं होता, बल्कि यह आपके रिकॉर्ड को भी खराब करता है। फाइलों में क्लेम कई-कई सालों तक दर्ज रहता है। जब आप कोई सस्ती पॉलिसी लेते हैं, तो जब भी आप इसे रिन्यू करते हैं, तब यह बात आपको आर्थिक रूप से कचोटती है। कूल मिलकर देखें तो एक स्मार्ट बचत जल्द ही आपके लिए एक भारी बोझ बन जाती है। इसमें केवल साधारण दुर्घटना ही शामिल नहीं होती है, बल्कि चोरी, आगजनी, प्राकृतिक आपदाएं, टॉइफाइड और यहां तक कि अगर चालक के पास इश्योरेंस न हो या फिर चालक के पास अपर्याप्त इश्योरेंस होने पर भी आपको पूरी सुरक्षा मिलती है। इससे यह बात पक्की हो जाती है कि चाहे जैसी भी परिस्थिति हो आपको हर हाल में पूरी सुरक्षा मिलेगी। कॉम्प्रिहेंसिव पॉलिसियां आपको एक भरोसेमंद गैरज चुनने की सुविधा तो देती ही हैं, साथ ही इनमें जेनरल स्पेयर पार्ट्स भी कवर किए जाते हैं। इससे यह बात पक्की हो जाती है कि न तो आपको खर्चों की चिंता करने की जरूरत है, न ही आपको गुणवत्ता के साथ समझौता करना पड़ेगा। इको एश्योरिपेयर प्लान में आपको कार को सुरक्षा देने के साथ-साथ पर्यावरण का भी पूरा ख्याल रखा जाता है। इसमें मरम्मत के काम के लिए पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण को अपनाया जाता है, जिसमें टिकाऊ विधि, ऊर्जा-बचत प्रक्रिया के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। इसका अर्थ यह है कि न केवल आपको

विश्वनीय सेवा के साथ-साथ वाहन के जेनरल प्लान्स भी मिलते हैं, बल्कि आपके मन को सुकून मिलता है कि आपने कार्वन उत्सर्जन को घटाने में अपना योगदान दिया है। आर्थिक सुरक्षा यह आपको अचानक से आने वाले खर्चों और अपने जब से भरे जाने वाले पैसों से सुरक्षा प्रदान करता है। चाहे टॉइंग की फीस हो या मंडिक बिल या रिप्लेसमेंट कॉस्ट, कॉम्प्रिहेंसिव कवरेज आपको अचानक से आने वाले हर तरह के खर्चों से सुरक्षा प्रदान करता है। कई कॉम्प्रिहेंसिव प्लान में नो-क्लेम बोनस शामिल होते हैं, जिससे कि क्लेम के बाद प्रीमियम में होने वाली तेज बढ़त से आपको सुरक्षा मिलती है। साथ ही, जैसे-जैसे समय बीतता है वैसे-वैसे आपको सुरक्षित ड्राइविंग करने का फायदा यानी कि पुरस्कार भी मिलता रहता है। एनसीबी प्रोटेक्शन एंड-ऑन कवर के जरिए आप क्लेम करने के बाद भी अपने जमा हुए बोनस को सुरक्षित बनाए रख सकते हैं। इसका अर्थ यह है कि आपका प्रीमियम स्थाई रहता है और आपने सुरक्षित ड्राइविंग करते हुए जो भी बोनस हासिल किए हैं, उनका लंबे समय में बचत के तौर पर लगातार फायदा उठा सकते हैं। कॉम्प्रिहेंसिव पॉलिसियों में अक्सर अतिरिक्त सुरक्षा जैसे कि रोडसाइड असिस्टेंस, रेंटल कार कवरेज और फटाफट क्लेम सैटलमेंट शामिल होते हैं, जिससे कि रिकवरी की प्रक्रिया न केवल सहज हो जाती है, बल्कि आप हरदम परेशानी-मुक्त भी रहते हैं। साधारण इश्योरेंस की तुलना में कॉम्प्रिहेंसिव प्लान में

इंजन प्रोटेक्शन कवर बाद, ऑयल लीकेज या मैकेनिकल खराबी जैसी स्थितियों में महंगे इंजन की मरम्मत से होने वाले खर्चों से सुरक्षा प्रदान करता है, जो कि आमतौर पर साधारण कवरेज में पूरी तरह से कवर नहीं किए जाते हैं। इसके अलावा, रिटर्न टू इन्वॉयस (आरटीआई) वाहन के पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने या चोरी जैसे मामलों में आपकी कार की पूरी इन्वॉयस कीमत वापस दिलाता है, जिससे कि आपको कार की घटी हुई बाजार कीमत के बजाय असली खरीद कीमत प्राप्त करने में मदद मिलती है। कंज्यूमेबल्स कवर छोटे लेकिन कार के लिए बेहद अहम पुर्ज जैसे कि नट-बोल्ट, लुब्रिकेंट और ऑयल आदि के खर्च को कवर करता है, जो कि आमतौर पर साधारण क्लेम में शामिल नहीं किए जाते हैं।

किसी वस्तु को गिरने से होने वाला नुकसान, बाढ़ या आग से हुई क्षति जैसे जोखिम शामिल होते हैं जो अचानक से कभी भी हो सकते हैं और इनके लिए आपको भारी-भरकम नुकसान हो सकता है। कुछ कॉम्प्रिहेंसिव पॉलिसियों में जीरो डेप्रिजिएशन कवर जैसे फीचर शामिल होते हैं, जो यह बात पक्की करते हैं कि आपको पूरा-पूरा क्लेम मिलेगा और समय के साथ वाहन के पुराने होने पर इस्तेमाल के दौरान होने वाले टूट-फूट से भी आपको पूरी सुरक्षा मिलेगी। एंड-ऑनस जो आपकी पॉलिसी को और मजबूत बनाते हैं जब आप कॉम्प्रिहेंसिव कवरेज को चुनते हैं, तो अतिरिक्त सुरक्षा जोड़कर आप इसे विशेष खीचों में और मजबूत बनाते हैं। हालांकि ओन डेमेंज कवरेज में जरूरतसुख सुरक्षा तो होती है, लेकिन इसकी अपनी सीमाएं भी हैं। इसमें क्लेम के दौरान आपको अपनी जेब से भारी-भरकम रकम भरनी पड़ सकती है। ऐसे में एंड-ऑनस अहम भूमिका निभाते हैं। जीरो डेप्रिजिएशन कवर यह बात पक्की करता है कि इस्तेमाल के साथ-साथ आपकी कार जितनी भी पुरानी हो जाए और इसके पुर्ज जिस भी स्थिति में हों, इन सबके लिए आपको पूरा-पूरा क्लेम मिले। यह सहूलियत नई कार के मामले में और भी फायदेमंद होती है।

राकेश कौल, चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर रिटेल बिजनेस, बजाज जनरल इश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज जनरल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड)

भारतीय पत्रकारिता को कलंकित करता गोदी मीडिया

अब तो उस पाकिस्तानी व्यक्ति की लोकप्रियता गोदी चैनल्स में इतनी बढ़ गई है कि वह व्यक्ति दूसरे चैनल्स पर भी नजर आने लगा है। वह खुद भी कह चुका है कि तुम हिंदुस्तानी चैनल वाले मुझे बुलाते ही इसलिए हो ताकि तुम्हारी टी आर पी बढ़े। सनसनी फैलाने, पक्षपात करने, सत्ता का गुणगान करने, क्षामक रिपोर्टिंग करने, बहस में अपना एजेंडा थोपने, साम्प्रदायिकता फैलाने सत्ता के बजाय विपक्ष को कटघरे में खड़ा करने, मंहगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर बहस न करने व इन मूल मुद्दों को न उठाने जैसी अहकतों के चलते आज विदेशों में भी भारतीय मीडिया की छवि नकारात्मक बन चुकी है। भारतीय मीडिया को अक्सर सरकार का घमटा कहकर संबोधित करते हैं।



निर्जल रान्जी

सत्ता की गुलामी करने में मदहोश देश का गोदी मीडिया तमाम अपमानों, जलालत, विरोध व आलोचनाओं के बावजूद अपनी प्रस्तुति, सामग्री व शब्दों के चयन के स्तर को दिन प्रतिदिन गिराता जा रहा है। हद तो यह है अपनी टी आर पी बढ़ाने के चक्कर में पाकिस्तान व अन्य देशों के अतिथियों को अपने साथ लाईव जोड़कर उनसे विवदित व बेतुके सवाल पूछकर उन्हें शब्दकलामी र करने के लिए जानबूझकर उकसाया जाता है। ताकि वे तीखा जवाब दें जिससे बहस में गर्मी पैदा हो और बहस में असंसदीय व अभद्र शब्दों का इस्तेमाल हो। और इसी शोर शराबे की आड़ में उनकी टी आर पी भी बढ़े उनका एजेंडा भी पूरा हो और उनके सरपरस्त शआकार भी खुश हो सकें। देश को कलंकित करने वाले ऐसे अनेक टी वी स्टूडियो में डिबेट के दौरान गैलीज, धक्का मुक्कों मार पीट सब कुछ तो होता रहता है? अफसोस यह कि यह सब पूर्वनिर्धारित होता है और जानबूझकर करवाया जाता है।

सरकारी टीवी चैनल डीडी न्यूज को दो टुक के एंकर अशोक वास्तव द्वारा अपने इसी शो में पिछले दिनों की गई एक अत्यंत घटिया टिप्पणी को सुनकर भला कौन कह सकता कि यह भाषा किसी पत्रकार या टीवी एंकर की भाषा हो सकती है। एक लाइव डिबेट के दौरान अशोक वास्तव ने कहा कि राहुल गांधी सावरकर के चपल की धूल के एक कण के हजारवें हिस्से के बराबर भी नहीं हैं। राहुल गांधी सावरकर के जूते की नोक के बराबर भी नहीं हैं, और उस नोक पर लगी धूल के कण के भी हजारवें भाग के बराबर नहीं हैं। एंकर अशोक वास्तव द्वारा यह टिप्पणी सावरकर को श्रद्धांजलि देते समय राहुल गांधी से उनकी तुलना करने के बहाने से की गई थी। पर इसी घटिया टिप्पणी को अपमानजनक व असभ्य बताया। इसके बाद युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में दूरदर्शन मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने यह पत्रकारिता नहीं, सत्ता की दलाली है जैसे नारे लगाए। गोदी मीडिया का पुतला फूट गया। इसके बाद यह सवाल भी खड़ा हुआ कि निजी टीवी चैनल तो भय लालच व्यवसायिकता अथवा वैचारिक कारणों से तो सत्ता की गंद में जाकर बैठ ही चुके हैं परन्तु आखिर देश के कर दाताओं के पैसों से चलने वाला सरकारी चैनल भी क्या अपनी निष्पत्ता खो चुका है? क्या DD News पर भी करोड़ों रुपये लेने वाले पत्रकार व टाई सूट में सजे धजे टीवी एंकर भी अब आई टी सेल

या ट्रोल्स की भाषा बोलने के लिए मजबूर हो चुके हैं? इसी तरह एक निजी टीवी चैनल को एक एंकर हैं जिन्होंने पिछले दिनों इफ्तार पार्टी आयोजित कर कई राजनेताओं को दावत दी थी। उनकी यह दावत और आमंत्रित लोगों को देखकर यह समझने में देर नहीं लगी कि उनका राजनैतिक रूझान भी है और वह पत्रकारिता के बाद संभवतः राजनीति में ही अपना कैरियर बना सकती हैं। दरअसल गोदी पत्रकारों को यह मालूम है कि गोदी से उतरने के बाद वे इस लायक ही नहीं रहेंगे कि अपना कोई प्लेटफॉर्म खड़ाकर उसपर अपने जौहर दिखा सकें, क्योंकि पत्रकार सिद्धार्थ वरसराज, रवीश कुमार, अजीत अंजुम, अभिषार शर्मा, अशोक पाण्डेय, पुण्य प्रसून वाजपेई, प्रजा मिश्रा, अरिफा खानम या आशुतोष जैसे पत्रकारों के नकशे कदम पर नहीं चल सकता। दरअसल ऐसी पत्रकारिता के लिए अस्थाय, पुण्य प्रसून वाजपेई, प्रजा मिश्रा, अरिफा खानम या आशुतोष जैसे पत्रकारों के नकशे कदम पर नहीं चल सकता। दरअसल ऐसी पत्रकारिता के लिए अस्थाय, साहस, ज्ञान, पत्रकारिता का दायित्वबोध आदि सब कुछ चाहिए जो चादुकारिता या सत्ता की दलाली के लिए जरूरी नहीं। बहरहाल गोदी चैनल की यही मोहतरमा अपने चैनल पर एक पाकिस्तानी मेहमान को बार बार बुलाती हैं। यह जब उससे कोई तीखा सवाल जानबूझकर करती हैं तो वह शख्स इनसे भी तीखा जवाब देता है। मैंने उसे अपशब्द बोलते, गालियां निकालते भी सुना यहाँ तक कि उसकी कई टिप्पणियों से हमारे देश को तौहीन भी हुई। परन्तु यह आज भी उसे जानबूझकर बार बार बुलाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सामाजिक विभाजन को दूर किया पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने

चंद्रशेखर के अपने आज राजनीतिक दलों के बीच गहरी होती खाईयों, बढ़ते सामाजिक विभाजनों और नेताओं के परस्पर विशेष से टप पड़ती समृद्ध सांसदीय परम्पराओं के इस दौर में चंद्रशेखर जन्मशती वर्ष में ही नहीं रोजमर्रा में भी सांसदीय राजनीति के भीष्म पितामह और भारतीय राजनीति के अजातशत्रु सर्वश्रेष्ठ सांसद आंके गए पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर का जागरूक जानकार लोगों को याद आना स्वाभाविक ही है। देश जनता के हित में अपने हितों की बलि देकर इन बाधाओं को पाटने के लिए ही शायद चंद्रशेखर नीलकंठ बने थे। साधारण किसान परिवार की पृष्ठभूमि से आए पर बड़े-बड़े पदों की उपलब्धता लम्बे समय तक होने के बावजूद दोस्तों के दोस्त, फक्कड़मस्त, खांटी चंद्रशेखर बिना किसी पद पर रहे सीधे प्रधानमंत्री बने। सिर्फ चंद्रशेखर। चंद्रशेखर के व्यक्तित्व के गलत आंकलन और अपने नासमझी के व्यवहार का अहसास होने पर सहज, सज्जन, राजीव गांधी ने उनसे इस्तीफा न देने का आग्रह किया। इस्तीफे बहुतां ने दिए पर आग्रह के बावजूद इस्तीफा वापस न लेने वाले सिर्फ चंद्रशेखर। हालांकि जानकारों का यह भी मानना है कि यदि चंद्रशेखर आग्रह मान इस्तीफा न देते या दोबारा शपथ के प्रस्ताव को मान लेते तो शायद भारतीय राजनीति की दशा दिशा कुछ और होती। बुद्ध-गांधी की तरह 1983 में 6 महीने केवल कन्याकुमारी से दिल्ली भारत यात्रा करने वाले इस अजब गजब पदयात्री को इन्दिरा जी, राजीव जी से ज्यादा जानती मानती थी।

1964 में कांग्रेस में शामिल होने का इन्दिरा जी ने कारण चंद्रशेखर जी से पूछा तो उनका सच्चा जवाब था कि वो कांग्रेस को समाजवादी बनाने आए हैं। न बना पाए तो अगला सवाल था। जवाब सीधा सपाट कि पार्टी तोड़ दूंगा। दलीय आसक्ति चंद्रशेखर जी में कभी नहीं रही पर मुद्दों और विचारधारा के प्रति निष्ठा हमेशा रही। 1972 में वे इन्दिरा जी के मना करने के बाद भी चुनाव समिति का चुनाव लड़े और सर्वोच्च मतां से जीते भी इन्दिरा जी के बड़े-बड़े पदों को प्रस्ताव को नकार चंद्रशेखर 1975 में इमरजेन्सी का विरोध कर 19 महीने जेल में रहे और 1984 में स्वर्ण मन्दिर गुरुद्वारे में आग्रेसन ब्लू स्टार के तरीके के विरोध का जोखिम भी उठया पर दोनों नेताओं के बीच कभी कोई कटुता नहीं रही। 19 महीने इमरजेन्सी की जेल के बाद 1977 की जनता पार्टी सरकार में इन्दिरा जी पर ज्यादाती हुई तो जनता पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर अपनी ही सरकार का विरोध करने में भी नहीं हिचके। 1990 में ऐसे कांग्रेस के बाहरी समर्थन से चन्द्रशेखर जी का अप्रत्याशित सरकार बनाना प्रधानमंत्री बनना उनके कुछ सहयोगियों को भी असहज कर गया, पर मंडल कमंडल की आड़ में जल रहे देश को सभलाने

की हिम्मत किसी नेता में नहीं दिखाई और देश समाज के हित में छवि की परवाह न करते हुए चुनौती स्वीकार करना नीलकंठ बनना चन्द्रशेखर जी के लिए स्वाभाविक था। उनका कोई पूर्व प्रशासनिक अनुभव न होने से आर्शाकत तत्कालीन राष्ट्रपति आर. वैकटरमण अपनी किताब में प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर के कार्यकाल को सुखद आश्चर्य, यादगार और श्रेष्ठ आंकते हैं। विरासत में उनकी सरकार को साम्प्रदायिकता और जातिवाद से जलता देश, दर्जन राज्यों में कर्पूय आतंकवाद से झुलसता पंजाब, कश्मीर, तमिलनाडु और उत्तर पूर्व, खाड़ी युद्ध और भुगतान संकट से खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के हालात मिलें। पूर्ववर्ती सरकारों को कोसने के बजा, समाधान करने को उन्होंने प्राथमिकता दी। जो नतीजे पूर्ण या प्रचंड बहुमत की पूर्णकालिक सरकारों हासिल न कर पाई, इस बाहरी समर्थन पर टिकी अल्पमत की 4 महीने की सरकार ने दिए और इसीलिए, 4 महीने बनाम 40 साल के नारे पर उन्होंने अगला चुनाव लड़ा। चन्द्रशेखर जी को इसका यश और श्रेय तो मिला पर मंडल कमंडल और बाद में भूमंडलीकरण की राजनीति कदमताल न मिला पाने के कारण वोट के गणित में वो पिछड़ते चले गए। पिछले

30 सालों में भारतीय समाज व राजनीति साम्प्रदायिकता और जातिवाद से ऐसे अभिशाप हुए कि चन्द्रशेखर की बुलन्द आवाज और रोजी, रोटो, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, सुरक्षा के मुद्दे हालांकि गायब तो नहीं हुए पर उनसे न्याय भी नहीं हो पाया। काश्मीर, असम, नेपाल, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अयोध्या विवाद, बोफोर्स, ब्लू स्टार, निजीकरण, विनिवेश, उदारीकरण, भूमंडलीकरण, अमरीका सम्बन्धों आदि विषयों पर 20-30 साल बाद उनके विचारों से बराबर सहमति दिखाई देती है पर तब उनकी दूरदर्शिता और साफगोई से उभरी और नासमझ स्वार्थी नेताओं द्वारा प्रयोजित तात्कालिक जनता की नाराजगी का राजनीतिक नुकसान उठाने का साहस चन्द्रशेखर जी ने हमेशा किया। हां इस कारण उन्हें दोस्तों की कमी कभी नहीं रही। पर इसका कारण भी दोस्त बनाने के उनके हुनर से ज्यादा दोस्ती निभाने का उनका माददा है जिसमें वो खुद विवादित होने तक का जोखिम उठा लेते थे। राजनीतिक छाआळूत से अलग उनके मित्र व प्रशंसक समाज के हर वर्ग, क्षेत्र, देश, दल में रहे। कांग्रेस से भाजपा तक, वामपंथ से दक्षिण पंथियों तक। विस्तृत प्रभामंडल के चन्द्रशेखर इन्दिरा जी से अटल, ज्योति बासु और काशीराम तक के सम्मानित रहे। उनकी तुलना किसी भारतीय सांस्कृतिक मिथक से सम्भव है तो वो है भोलेशंकर, 'भोलेशंकर समाजवादी'। यही कारण है कि भैरविशंकर, शरद पवार और मुलायम सिंह की संयुक्त समिति की देखरेख में अयोध्या विवाद 1991 में ही चन्द्रशेखर सरकार के कार्यकाल में समाधान के, कदम करीब पहुंच गया था। पर सरकार चली गई। सावन में



डा. हिमांशु

आम की दावत का शौकीन, आम आदमी की खास आवाज-ए-शख्सियत आज नाटकीयता, विशेष, विभाजन से अवरुद्ध व प्रत्यक्ष सत्ता को स्नेह, मनुहार और जरूरत पड़ने पर डॉट डपट से बाहर निकालने की क्षमता रखता था जिसकी जरूरत आज और भी बढ़ गई है। यह आवाज आज समाज में कमजोर, दबे कुचले की बेंखीफ आवाज होती और देश के अन्दर बाहर राष्ट्रीय गरिमा से हर खिलवाड़ के खिलाफ राष्ट्रीय गौरव की अभिव्यक्ति बनती। सत्ताधीशों को चेताती और चुनौती स्वीकारती। भारत यात्रा केन्द्र में चन्द्रशेखर जी को भेंट की गई एक कविता मही रखी थी-

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

परमाणु-स्पेस पर रिसर्च करने वाले 5 अमेरिकी वैज्ञानिक गायब वैज्ञानिकों की मौत और गुमशुदगी के मामलों पर अब व्हाइट हाउस सवालियों के घेरे में

वाशिंगटन। अमेरिका में न्यूक्लियर और स्पेस रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों की मौत और गुमशुदगी के मामलों पर अब व्हाइट हाउस सवालियों के घेरे में है। 2023 से अब तक ऐसे 10 मामलों सामने आए हैं, जिनमें वैज्ञानिक या अधिकारी या तो लापता हो गए या संदिग्ध हालात में मरे।

व्हाइट हाउस ब्रीफिंग में पहली बार प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट से इन घटनाओं पर सवाल पूछा गया। जबकि उन्होंने कहा कि मृत्यु के सभी संभावित कारणों से इस बारे में बात नहीं की है। मैं ऐसा करूंगी और आपको जवाब दूंगी। उन्होंने आगे कहा कि अगर यह सही है, तो यह निश्चित तौर पर ऐसी बात है जिसे सरकार जांच के लायक मानेगी। उनके इस जवाब के बाद लोगों में नाराजगी देखने को मिली। कई लोगों ने आरोप लगाया कि सरकारी एजेंसियां इस पैटर्न को गंभीरता से नहीं ले रही हैं या फिर इसे छुपाने की कोशिश कर रही हैं। वैज्ञानिकों के लापता या मौत के सभी मामलों में अमेरिका की हाई-सिक्क्योरिटी रिसर्च संस्थाओं से जुड़े बताए जा रहे हैं। इनमें लास एलांमोस नेशनल लैब, नासा का जेट



वैज्ञानिकों के लापता या मौत के सभी मामलों में अमेरिका की हाई-सिक्क्योरिटी रिसर्च संस्थाओं से जुड़े बताए जा रहे हैं

प्रोपल्शन लैब और एमआईटी का प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर शामिल है। ये संस्थान न्यूक्लियर हथियार, एडवांस्ड प्रोपल्शन और नई ऊर्जा तकनीकों पर काम करते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कई लापता वैज्ञानिक अपने घरों से अचानक पैदल निकल गए। उन्होंने फोन, वॉलेंट और चाबियां तक पीछे छोड़ दीं। यही पैटर्न कई मामलों में देखा गया है, जिससे संदेह और बढ़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक नेशनल न्यूक्लियर लैब में 27 फरवरी को अपने न्यू मैक्सिको स्थित घर से गायब हो गए थे। बताया गया कि वे अपने साथ सिर्फ पिस्टल

लेकर निकले थे और उनकी पत्नी ने 911 पर कहा कि वे खुद को छिपाने की कोशिश कर रहे थे। मॉनिका अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के जेट प्रोपल्शन लैब से जुड़े एक प्रोजेक्ट में काम कर रही थीं। वहां वह नए मटेरियल और धातुओं पर काम देखने वाली एक टीम की चीफ थीं। वह एक खास धातु पर काम कर रही थीं, जिसे मॉडलिंग कहा जाता है। यह मटेरियल खास तौर पर राकेट इंजन के लिए बनाया जाता है। यह भविष्य की स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए काफी अहम हो सकता था। मॉनिका को आखिरी बार 22 जून की सुबह मार्टिन वाटरमैन इलाके में दो दोस्तों के साथ हाईकिंग करते हुए देखा गया था। उनके बारे में अब तक कोई सुराज नहीं मिला है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मॉनिका का प्रोफेशनल कनेक्शन रिटायर्ड एयर फोर्स जनरल विलियम 'नील' मैककैसलैंड से था। वह 8 महीने बाद गायब हो गए। इसके बाद शक और बढ़ गया। विलियम अमेरिका के रिटायर्ड एयर फोर्स जनरल हैं। वह पहले एयर फोर्स रिसर्च लैबोरेटरी के कमांडर रह चुके हैं। वहां वे अरबों डॉलर के साइंस और टेक्नोलॉजी प्रोग्राम संभालते थे। यह लैब अमेरिकी सेना की सबसे अहम रिसर्च यूनिट्स में से एक है, जहां नई टेक्नोलॉजी, हथियार सिस्टम, स्पेस से जुड़ी टेक्नोलॉजी और एडवांस्ड साइंस पर काम होता है। जिस प्रोजेक्ट में मॉनिका रोजा काम कर रही थीं, उससे जुड़ी फंडिंग को देखरेख मैककैसलैंड ने की थी। मैककैसलैंड 27 फरवरी 2026 की सुबह न्यू मैक्सिको में अपने घर के पास आखिरी बार देखे गए थे। गार्सिया कंसास सरकारी टेक्नोलॉजी और सिटी नेशनल सिक्क्योरिटी कैंपस से जुड़े थे, जहां परमाणु हथियारों के गैर-न्यूक्लियर पार्ट बनाए जाते हैं। यहां काम करने वाले लोग सुरक्षा के लिहाज से काफी अहम माने जाते हैं।



अगरा। गीष्ण गर्मी के बीच ताजमहल का दौरा करते पर्यटकों का दौड़ा।

तुर्की में गोलीबारी का समर्थन करने वाले 162 लोग गिरफ्तार

अंकारा। तुर्की में इस हफ्ते दो स्कूलों में हुई गोलीबारी के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 162 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने सोशल मीडिया पर गोलीबारी का समर्थन किया और ऐसे पोस्ट किए, जिनसे अपराध और अपराधियों को बढ़ावा मिला। मंगलवार और बुधवार को देश के अलग-अलग हिस्सों में दो स्कूलों में फायरिंग की

घटनाएं हुईं। बुधवार को कहरामनमाराश के आयसेर चालिक सेकेंडरी स्कूल में हुए हमले में 8 छात्रों और एक शिक्षक की मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हुए। घायलों में 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है। 14 साल का हमलावर भी इस घटना में मारा गया। इससे एक दिन पहले दे एक हाई स्कूल में भी गोलीबारी हुई थी, जिसमें कम से कम 16 लोग घायल हुए थे।

गैरकानूनी युद्ध के स्थायी अंत की शर्तों को प्राथमिकता: अराघची

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि देश पर थोपे गए 'गैरकानूनी युद्ध के निर्णायक और स्थायी अंत की शर्तों' उनकी प्राथमिकता हैं और अमेरिकी मीडिया में उसके रूख को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान की स्थिति को अमेरिकी मीडिया गलत ढंग से प्रस्तुत कर रहा है। हम पाकिस्तान के प्रयासों के लिए आभारी हैं और हमने कभी इस्लामाबाद जाने से इन्कार नहीं किया। हमारे लिए अहम यह है कि हम पर थोपे गए इस गैरकानूनी युद्ध का निर्णायक और स्थायी अंत किन शर्तों पर होगा। अराघची ने बुधवार को तेहरान में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाक़ात के दौरान यह बात कही। उन्होंने अमेरिका-ईरान वार्ता की मेजबानी के लिए पाकिस्तान का आभार भी जताया। उच्चस्तरीय राजनैतिक-सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे मुनीर के साथ पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय, सुरक्षा संस्थानों और तकनीकी विशेषज्ञों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। अराघची ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि संवाद की मेजबानी के लिए पाकिस्तान का आभार व्यक्त किया, जो हमारे गहरे द्विपक्षीय संबंधों को दर्शाता है। क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत और साझा है।

ट्रम्प को भारी पड़ रही ईरान से जंग अमेरिका ने माना लापता डफ-4सी ट्राइडन ड्रोन हुआ था क्रैश, अब तक 25 ड्रोन का नुकसान

वाशिंगटन। पिछले एक महीने से जारी ईरान-अमेरिका युद्ध अब डोनाल्ड ट्रम्प के लिए भारी पड़ता नजर आ रहा है। अमेरिका अभी तक इस युद्ध में सबसे उन्नत एफ-35 समेत कई विमान और ड्रोन को गंवा चुका है। अब अमेरिका ने माना है कि उसे हाल ही में बड़ी तादात में उन्नत ड्रोन खोने पड़े हैं। अमेरिकी नौसेना ने आधिकारिक पुष्टि की कि उसका लापता ड्रोन 'एमक्यू-4सी ट्राइडन' खाड़ी क्षेत्र में क्रैश हो गया। यह पहली बार है जब अमेरिका ने अपने बड़े नुकसान को कबूला है। यह जानकारी बुद्धिगम स्टेट्स नेवल सेप्टी कमांड की हालिया रिपोर्ट में सामने आई है।



अमेरिका अभी तक इस युद्ध में सबसे उन्नत एफ-35 समेत कई विमान और ड्रोन को गंवा चुका

यह हाई-एल्टीट्यूड, लाना-एंडोरोस (एचएलई) निगरानी ड्रोन समुद्री इलाकों में जासूसी और दूरगम पर नजर रखने के लिए इस्तेमाल होता है, जिसकी कीमत करीब 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा की बताई जा रही है। यह 24 घंटे तक हवा में रहने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अमेरिकी नौसेना सुरक्षा कमांड की रिपोर्ट में स्पष्ट तौर पर लिखा है-9 अप्रैल 2026 (स्थान गोपनीय-आपरेशनल सिक्क्योरिटी) एमक्यू-4सी क्रैश। दरअसल, अमेरिकी रक्षा विभाग के नियमानुसार, 2.5 मिलियन डॉलर से अधिक नुकसान वाले हादसों को क्लासिफ़ाई किया जाता है। ये भी इसी श्रेणी में बताया गया है यानी 2000 करोड़ रुपये के करीब होगा।

सीनेट ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी युद्ध रोकने की कोशिश को किया नाकाम

वॉशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई जारी रखने से रोकने वाले प्रस्ताव को बुधवार को खारिज कर दिया है, जिससे युद्ध रोकने की कोशिश विफल हो गई है। इस पहल का 52 सीनेटर्स ने विरोध किया जबकि 47 सीनेटर्स ने इसका समर्थन किया। यह वोट इस साल चौथी बार है जब संसदों ने इसकी वैधता और दायरे को लेकर जताई गई चिंताओं के बावजूद औपचारिक मंजूरी के बिना ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल के युद्ध को जारी रखने की प्रथावी अनुमति दी है। कुछ सीनेटर्स ने एक स्पष्ट रणनीति की जरूरत को स्वीकार करते हुए बताया कि अमेरिकी कानून के तहत, कांग्रेस को 60 दिनों के भीतर सैन्य कार्रवाई को अधिकृत करना होता है और यह समय-सीमा इस महीने के अंत में पूरी होने वाली है।

अमेरिकी अधिकारियों ने साफ कहा कि ड्रोन किसी के हमले का शिकार नहीं हुआ, बल्कि 9 अप्रैल को ये 'क्रैश' हुआ था। मानवरहित ड्रोन होमरूम में इंटरनेशनल एयरस्पेस में तीन घंटे के रूटिंग मिशन पर नुकला था। फोर्स की खाड़ी के ऊपर उड़ान भरते समय जब विमान अचानक

द चॉर जोन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ड्रोन 50,000 फीट की ऊंचाई से तेजी से नीचे गिरा और 10,000 फीट से भी नीचे पहुंचने के बाद उसका संपर्क टूट गया था। नेवी ने आपरेशनल सुरक्षा कारणों से उससे दूर रहना की सटीक जगह का खुलासा नहीं किया है। विमान में अमेरिका का कोई भी कर्मी सवार नहीं था, और किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। ट्राइडन ड्रोन को नॉर्थरूप गुमनाम न बनाया है। यह अमेरिकी नेवी के पावरबैंक का सबसे एडवांस मानवरहित एरियल सिस्टम है। इसे बेहद ऊंचाई पर उड़ाने और लंबे वक्त के मिशन के लिए डिज़ाइन किया गया है। गुमनाम की आधिकारिक साइट पर दावा किया गया है कि यह रक्षा के लिए सबसे उन्नत, ऊंची उड़ान भरने वाली और लंबे समय तक टिकने वाली क्षमता रखता है। मामला यहीं खत्म नहीं होता। ईरान अविधि में अमेरिका ने अपने 24 और एमक्यू-9 रीपर ड्रोन भी गंवाए हैं। इनकी कुल कीमत लगभग 6727 करोड़ रुपये का आई है। इस तरह कुल 25 ड्रोन के नुकसान ने अमेरिकी सैन्य रणनीति और क्षेत्रीय सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्राइडन, एमक्यू-4 ग्लोबल हाक का ही एक रूप है, और समुद्री निगरानी में विशेषज्ञता हासिल है। इस विमान की रेंज 13,000 किलोमीटर से भी ज्यादा है, जो बड़े इलाके की लगातार निगरानी के लिए जरूरी है।

भारत-ऑस्ट्रिया के बीच शिक्षा क्षेत्र में सहयोग पर समझौता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉर्कर को भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के क्षेत्र में नई ऊर्जा आएगी और ऑस्ट्रिया की विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता तथा भारत की गति और पैमाना दुनिया के लिए विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करेगा। दोनों देश रक्षा, समीकन-डक्ट, क्वांटम और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी अपनी साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे।

भारत और ऑस्ट्रिया ने शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और माइग्रेशन एंड मॉबिलिटी एग्रीमेंट को नर्सिंग क्षेत्र में भी आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। दोनों देशों ने युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के तहत हॉलैंड प्रोग्राम शुरू करने की भी घोषणा की है। मोदी ने भारत यात्रा पर आए स्टॉर्कर के साथ वार्ता के बाद गुरुवार को यहां संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी को नवाचार और भविष्य की जरूरतों पर आधारित बनाए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का मजबूती से मानना है कि सैन्य टकरावों से समस्याओं का



दोनों देश रक्षा, समीकन-डक्ट, क्वांटम और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी अपनी साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे

समाधान संभव नहीं और हम यूक्रेन तथा पश्चिम एशिया में स्थायी शांति के पक्षधर हैं। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया दोनों ही वैश्विक संस्थाओं में सुधारों के प्रबल समर्थक हैं और आतंकवाद को जड़ से मिटाए, हमारी साझेदारी प्रतिबद्धता है। वार्ता के बाद मोदी ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में चांसलर स्टॉर्कर के साथ अपनी बातचीत को उपयोगी कर दिया। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रिया के चांसलर स्टॉर्कर के साथ अत्यंत सलाहकार और भविष्य की जरूरतों पर आधारित बनाए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का मजबूती से मानना है कि सैन्य टकरावों से समस्याओं का

अमेरिका-ईरान वार्ता के दूसरे दौर के लिए दबाव पाक प्रतिनिधिमंडल की आसिम मुनीर के नेतृत्व में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत जारी

तेहरान। अमेरिका से मिले एक नए संदेश के साथ, पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के प्रयास में ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता के एक नए दौर की संभावना पर ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है। सात अप्रैल को शुरू हुआ दो सप्ताह का नाजुक युद्धविराम 22 अप्रैल को समाप्त होने वाला है।

इस्लामाबाद में रविवार को बिना किसी समझौते के समाप्त हुई प्रारंभिक वार्ता के बाद पाकिस्तान आगे की वार्ता के लिए समन्वय कर रहा है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी मध्यस्थता प्रयासों में शामिल हैं जबकि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ राजनैतिक वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए चार दिवसीय खाड़ी दौर के पहले पड़ाव के रूप में सऊदी अरब में हैं। पाकिस्तानी अधिकारी दूसरे दौर की वार्ता के लिए युद्धविराम को बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं और क्षेत्रीय साझेदारों को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे अमेरिका पर प्रभाव का इस्तेमाल करके ईरान के साथ



सात अप्रैल को शुरू हुआ दो सप्ताह का नाजुक युद्धविराम 20 अप्रैल को समाप्त होने वाला है

फिर से बातचीत शुरू करें जिससे कोई राजनैतिक गलती न हो। यह राजनैतिक प्रयास अमेरिका और ईरान की नौसैनिक नाकाबंदी के कारण बढ़े तनाव को बीच किया जा रहा है जो क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रहा है। हालांकि इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक समझौते की दिशा में संभावित प्रगत के संकेत

मिल रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष में अब तक लगभग 3,000 लोग मारे गए हैं और यह पश्चिम एशिया में फैल गया है। अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता को इस समय और गति मिली जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आने वाले 'अद्भुत दो दिनों' का वर्णन किया, जिससे संकेत मिला कि ईरान के साथ युद्ध अपने अंत के करीब हो सकता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि समझौते की संभावनाएं आशाजनक लग रही हैं। इसके बावजूद, अमेरिकी सेना ने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकाबंदी की हुई है और वह 'मौजूद, सतर्क और अनुमान सुनिश्चित करने के लिए तैयार' है। ईरानी सेना ने इस नाकबंदी को युद्धविराम का उल्लंघन बताया है और बुधवार तक इसके कारण नौ जहाजों को वापस लौटना पड़ा है। ईरान के संयुक्त सैन्य कमांडर अली अबदुल्लाही ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका नाकाबंदी नहीं हटाता है तो तेहरान लाल सागर, खाड़ी और आमान सागर के रास्ते व्यापार अवरुद्ध करके जवाबी कार्रवाई कर सकता है।

सेना में कोलंबियाई नागरिकों की भर्ती कर रहा है यूक्रेन

कीव। यूक्रेन के सीमा रक्षक बल पोलैंड सीमा पर कोलंबियाई नागरिकों को अपनी सेना में भर्ती कर रहे हैं। यूक्रेन और मध्य पूर्व में भर्ती प्रक्रिया से जुड़े एक सूत्र ने 'स्युनिक' को यह जानकारी दी है। सूत्र के मुताबिक, कोलंबिया से आने वाले लड़कों को पोलैंड-यूक्रेन सीमा पर पहुंचते हैं, जहां से उन्हें सीधे सीमा सुरक्षा बलों में शामिल कर लिया जाता है। बताया जा रहा है कि ये लोग बिना किसी पहले के समझौते के ही यहां आते हैं, क्योंकि उन्हें पता होता है कि सीमा पर पहुंचते ही उन्हें सेना में भर्ती कर लिया जाएगा। लापता कोलंबियाई नागरिकों के परिजनों का कहना है कि उनके लोग सीमा पर पहुंचकर सेना में शामिल तो हो जाते हैं, लेकिन प्रशिक्षण के बाद उन्हें युद्ध के मैदान में भेज दिया जाता है।

होमरुज स्ट्रेट को खोलना अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सर्वसम्मत मांग: चीन

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग इं ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से कहा है कि होमरुज जलडमरूमध्य को खोलना अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सर्वसम्मत मांग है।

वांग ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बात करते हुए इस बात पर जोर दिया कि एक ओर जहां ईरान की संप्रभुता, सुरक्षा और एक तटीय राज्य के रूप में उसके वैध अधिकारों के सम्मान की आवश्यकता है, वहीं दूसरी ओर इस जलडमरूमध्य से नौहन की स्वतंत्रता और समुद्री सुरक्षा को गारंटी भी दी जानी चाहिए वांग ने कहा कि इस जलडमरूमध्य से



सामान्य आवागमन फिर से बहाल करने के प्रयास अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की ओर से एक सर्वसम्मत आह्वान का प्रतिनिधित्व करते हैं। वांग ने कहा कि वर्तमान स्थिति युद्ध और शांति के बीच एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है लेकिन इसके साथ उन्होंने यह भी कहा कि कुटनीतिक समाधान के लिए अवसर से मानना है कि दरवाजा भी खुल रहा है। ईरानी

सरकार ने होमरुज जलडमरूमध्य के लिए एक 'विशेष व्यवस्था' परिभाषित करने का आह्वान करते हुए यह तर्क दिया कि यह जलमार्ग तेहरान के लिए एक 'विशेष संपत्ति' है। गौरतलब है कि यह जानकारी राज्य समाचार एजेंसी आईआरएनए ने दी। सरकारी प्रवक्ता फातिमा मोहजरी ने रूस की आरआईए नोवोस्ती को बताया कि उन सभी संपत्तियों की तरह जो अन्य देशों के साथ बातचीत के प्रकार और उसके नियमन के लिए एक साधन के रूप में काम करती हैं, उसी तरह से इस जलमार्ग के लिए भी एक विशेष व्यवस्था परिभाषित की जानी चाहिए।

लश्कर के को-फाउंडर आमिर हमजा पर फायरिंग

अस्पताल में भर्ती, लाहौर में न्यूज चैनल के ऑफिस के बाहर हमला, पिछले साल भी अटैक हुआ था

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक सदस्य आमिर हमजा पर अज्ञात हमलावरों ने गोली चला दी। हमले के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावरों ने लाहौर में एक न्यूज चैनल के दफ्तर के बाहर उन पर फायरिंग की।

हमला किसने और क्यों किया, अब भी साफ नहीं हो पाया है। यह एक साल से भी कम समय में दूसरा मौका है, जब हमजा पर हमला हुआ है। इससे पहले पिछले साल मई में भी उनसे घर के बाहर अज्ञात लोगों ने उन्हें गोली मारी थी। पिछले हमले के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी



यह एक साल से भी कम समय में दूसरा मौका है, जब हमजा पर हमला हुआ है

थी, हालांकि उस घटना पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था। आतंकी आमिर हमजा 1987 में लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना में शामिल 17 लोगों में से एक हैं। वह आतंकी गतिविधियों, प्रचार, फंड जुटाने और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई

अखबारों और पत्रिकाओं का संपादन करता था। वह लश्कर की सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी का सदस्य भी रहा है और अन्य आतंकी समूहों के साथ संबंध स्थापित करने में एकिक्ट रह रहा है। हमजा ने हाफिज सईद के नेतृत्व में लश्कर-ए-तैयबा को दूसरे आतंकी समूहों से जोड़ने का काम किया। वह लश्कर से जुड़े एक चैरिटी संगठन का नेतृत्व करता था और लश्कर के यूनिवर्सिटी ट्रस्ट के बोर्ड में शामिल था, जिसे पहले हाफिज सईद संभालता था। हमजा ने 1980 के दशक में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में हिस्सा लिया था। इसके बाद वह हाफिज सईद और अन्य आतंकीयों के साथ जुड़ गया। वह हाफिज सईद और अब्दुल रहमान मक्की का करीबी है।

यौन समस्याएं विशेषज्ञ

यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें

डा. सम्राट

नशामुक्ति, शराब, बीडी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉल के फ्यूल अफीम, चरस, डोडे पोस्ट इन्जेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।

नावल्डी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यूपी.)

M-941221108

देश/विदेश से एम.बी.बी.एस. एवं स्टीडी वीजा के लिए सम्पर्क करें

• रशिया • जॉर्जिया • कजाखस्तान • किर्गिस्तान • उजबेकिस्तान • बांग्लादेश • नेपाल • थाईलैंड • इंडिया • इजिप्ट • यू.के. • कनाडा • यू.एस.ए. और भी देशों से

अनुम कलीम (एम.डी.) 8384872313 9457439020

M.B.B.S./M.D.

BDS, BAMS, BUMS, BEMS

Abroad Admission & Counselling For India

• Top Govt. Universities. • MCI, WHO Approved Universities. • Indian Hostel & Mess Available. • Lowest Price Packages. • Boys/Girls Hostels Are Separates Available.

अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें जिसमें ट्यूशन फीस, हॉस्टल फीस, खाना 3 टाईम (वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटेंशन, इन्शोरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्ड्री, एफ.एम.जी. ई. कॉविंग, 15 इंडियन बेट फंक्लटी के द्वारा दी जा रही है 471 बर्थें जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुऐ (अन्य कोई खर्चा नहीं)

www.mbbbsbijnor.com

ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURAHA, CHAHSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P.)